


उपरोक्त प्रार्थनों में से एकमें सुस्थित होकर उपरोक्त प्रकार अनिलेख दुरस्ती हेतु निवेदन किया है एवं इस दुरस्ती को करने हेतु सहस्रति लिखित में भी शर्त है। उक्त सहस्रतिमात्र द्वारा भी सहस्रति व्यवस्था की गई है। उक्त दुरस्ती वस्तुतः लिपिकीय त्रुटि सुधार की शर्त में आती है। अतः उक्त दुरस्ती परस्पर सहस्रति में किये जाने हेतु प्रार्थना ने प्रार्थना की है तथा अनिलेख के आधार पर भी उक्त सहस्रति दुरस्ती वापस अनिलेख में होने योग्य है। अतः निम्नलिखित इन्जाज दुरस्ती किये जाने के आदेश दिये जाते हैं:-

पूर्व इन्जाज					स्वीकृत किया गया इन्जाज		
1	2	3	4	5	6	7	8
ग्राम का नाम	खतिया	खातदार का नाम	खसरा संख्या	रकबा	खातदार का नाम	खसरा संख्या	रकबा
5195	35	जगदीश पुत्र पैण्डर राम	1030 433 433	0.1325 1.0275	जगदीश पुत्र पैण्डर राम	1030 433 433	0.1325 1.0275


क्रमांक :- 179  
12/10/21  
प्रतिलिपि पालनार्थ :-

- उप सहस्रतिमात्र, मौलासर

  
**शिवर प्रसादी**  
 (अतिरिक्त जिला कार्यालय डी.डी.अधीन)  
 PGKSA-2021, प.स. मौलासर  
 दिनांक :-

क्रमांक :-  
प्रतिलिपि पालनार्थ :-

- पटवार हल्का..... को भेजकर लेख है कि अन्य न्यायालय का स्थगन नहीं हो तो निर्णयानुसार पालना सुनिश्चित करें।

  
**शिवर प्रसादी**  
 (अतिरिक्त जिला कार्यालय डी.डी.अधीन)  
 PGKSA-2021, प.स. मौलासर  
 दिनांक :-